भारत दुनिया को कल्याणकारी जीवन व विश्वशांति का संदेश देता है : सोलंकी 2-3-2017

देश के प्रत्येक व्यक्ति मे राष्ट्र भावना का विकास जरूरी, एक-एक कदम चलेंगे तो देश १२५ करोड़ कदम चलेगा : राज्यपाल

आजादी से पहले व आजादी के बाद जम्मू कश्मीर को लेकर राष्ट्रीय विमर्श गलत दिशा में हुआ, जिसका खामियाजा हम उठा रहे हैं : अरूण कुमार

कुरुक्षेत्र २, मार्च। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा है कि भारत दुनिया को कल्याणकारी जीवन व विश्व शांति का संदेश देता है। दुनिया में शांति तभी होगी जब भारत समर्थ होगा। अगर भारत समर्थ नहीं होगा तो यह पूरे विश्व का नुकसान है। २१वीं सदी में देश को समर्थवान बनाने के लिए देश के प्रत्येक व्यक्ति में राष्ट्र भाव होना जरुरी है। जब तक देश के हर व्यक्ति में एक दूसरे के प्रति अंगा अंगि का भाव नहीं होगा, तब तक भारत मजबुत नहीं बनेगा। वे गुरूवार को हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, विधि संस्थान व जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित जम्मू कश्मीर एक विमर्श राष्ट्रीय विमर्श दो दिवसीय विमर्श कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि २१वीं सदी में भारत को शक्तिशाली बनाने के लिए जिन समस्याओं पर विमर्श करने की जरुरत है उस पर विमर्श इस दो दिवसीय संगोष्ठी में हुआ है। भारत हमेशा मजबुरियों का शिकार रहा है। भारत की अधिकतर समस्याएं मजबुरियों के कारण पैदा हुई हैं। भारत को आगे बढऩे के लिए मजबुरियों को छोडऩे की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी कभी देश का विभाजन नहीं चाहते थे, लेकिन देश का विभाजन हुआ। इसका खामियाजा आज हम सभी को भुगतना पड़ रहा है। यह मजबुरियों का विभाजन था। उन्होंने कहा कि जम्मु कश्मीर भारत का ताज है। पंजाब व बंगाल इसकी भुजाएं हैं, पूर्व घाट व पश्चिमी घाट इसकी जंघाए हैं। सूरज व चांद इसकी धरती नमस्कार करते हैं। यहां की एक एक बंूद गंगाजल के समान है।

उन्होंने कहा आज देश के प्रति राष्ट्र भाव की जरूरत है। आज जम्मू कश्मीर में राष्ट्रवादी शक्तियां मजबुत हो रही हैं, इसका मतलब कि वहां के लोगों को अब अहसास हो रहा है कि भूत में जो गलतियां हुई हैं, उसे अब ठीक करने की जरूरत है। देश को मजबुरी की बीमारी से मुक्त करने की जरूरत है, जब प्रत्येक व्यक्ति एक एक कदम आगे बढ़ाएगा तभी हम १२५ करोड़ कदम आगे बढ़ेंगे। उन्होंने देश में हर क्षेत्र में हो रहे अवमूल्यन पर चिंता जताते हुए इस दिशा में काम करने का आहान किया। राज्यपाल ने कहा कि जब देश के हर व्यक्ति में एक दूसरे के प्रति अंगाअंगि का भाव होगा तब सभी समस्याएं अपने आप ही खत्म हो जाएंगी। उन्होंने इस दो दिवसीय विमर्श के लिए हरियाणा इतिहास अकादमी, जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र व विश्वविद्यालय के विधि संकाय को बधाई दी।

आरएसएस के राष्ट्रीय सह संपर्क प्रमुख अरुण कुमार ने कहा कि इतिहास को हमेशा विजेता लिखते हैं। जम्मू कश्मीर को लेकर विमर्श में आगे बढ़ाते हुए बताने की जरूरत है कि दुनिया में विमर्श ताकतवर तय करते हैं। जम्मू कश्मीर को लेकर विश्व भर में हो रहे विमर्श में बदलाव की जरूरत है। १९४७ में देश आजाद होने के बाद देश के इस राज्य पर कुछ निजी स्वार्थों के कारण विमर्श गलत दिशा में किया गया, जिसका खामियाजा देश को आज भी भुगतना पड़ रहा है। जम्मू कश्मीर के इतिहास में सबसे अधिक अन्याय महाराज हरिसिंह के साथ हुआ है। इस राज्य के इतिहास को इतिहासकारों को गलत तरीके से लिखा। धारा ३७० को अस्थाई रूप से लागू किया गया था, लेकिन उसे स्थाई माना जा रहा है। एलओसी को इंटरनेशनल बोर्डर बना दिया गया है। इस राज्य से विस्थापित हुए लाखों लोगों पर कोई चर्चा नहीं है। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण काम कर रहा है। आने वाले समय में हमें इस विमर्श को एक नई दिशा देने की जरूरत है। इस विमर्श में हम असफल रहे हैं इसका सबसे बड़ा कारण हमारे राजनेता, शिक्षाविद् व मीडिया रहे हैं जो इस विमर्श को सही तथ्यों व संदर्भों के साथ लोगों के सामने नहीं रख सके। कुलपति डा. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि इस दो दिवसीय विमर्श में जम्मू कश्मीर के भूगोल, राजनीति, संस्कृति, एतिहासिक परिपेक्ष्य, मानवाधिकार सहित विभिन्न विषयो पर चर्चा हुई है। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र ने देश भर में जम्मू कश्मीर को लेकर विमर्श को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण कार्य किया है। भारत का दर्शन ब्रम्हाड में दिव्यता को देखता है, हर दूसरे व्यक्ति में भगवान को देखता है। देश का युवा क्रोध में है, लेकिन यह दर्शन उसे शांति के रास्ते पर ही जाने के लिए प्रेरित करता है। भारत के इस दर्शन पर भी विमर्श की जरूरत है। उन्होंने इस विमर्श के सफल आयोजन के लिए हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी को बधाई दी। हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी के निदेशक प्रोफेसर रघुवेंद्र तंवर ने दो दिवसीय विमर्श की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर पर हुए इस दो दिवसीय विमर्श में १० तकनीकी सत्रों मे देश के लिए १४ राज्यों से १८० से अधिक विद्वानों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्वानों के बीच हुआ यह विमर्श आने वाले समय में जम्मू कश्मीर को लेकर विमर्श में बदलाव करेगा। इस मौके पर विधि संस्थान के निदेशक व विधि संकाय के डीन प्रोफेसर राजपाल शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र नई दिल्ली के प्रभारी रणजीत ठाकुर ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार एवं चिंतक जवाहर लाल कौल, उपायुक्त सुमेधा कटारिया, एसपी अभिषेक गर्ग, जीजेयू के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर, कुलसचिव डा. प्रवीण कुमार सैनी, सरस्वती हैरिटेज बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज, विभिन्न संकायों के डीन, डायरेक्टर, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

राष्ट्रीय संविमर्श

राष्ट्रीय संविमर्श

राष्ट्रीय संविमर्श
समापन समारोह (2 मार्च 2017)

राष्ट्रीय संविमर्श
जम्मू कश्मीर–एक विमर्श
समापन समारोह (2 मार्च 2017)
आयोजक :
डॉ. एस. राधाकृष्णन सभागार
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय